पटना, 12 दिसंबर 2011 दैनिक जागरण

# गांव की संस्कृति से जोड़ता है सरस मेला

**पटना, आर्थिक प्रतिनिधि :** हाथ से बने आकर्षक उत्पादों की खरीददारी का तो मौका मिलता ही है, गांव की संस्कृति से भी जोड़ता है सरस मेला। यह मेला इसी उद्देश्य से भारत के सभी राज्यों में लगाया जाता है। उक्त बातें रविवार को विद्युत बोर्ड कालोनी के मैदान में बिहार शताब्दी ग्रामोत्सव सह क्षेत्रीय सरस मेले का औपचारिक उद्घाटन करने के बाद सूबे के ग्रामीण विकास मंत्री नीतीश मिश्रा ने कही। यूं तो यह मेला दो दिन पहले ही शुरू हो गया था लेकिन अब भीड़ उमड़ने लगी है।

नीतीश मिश्रा ने कहा कि यह मेला सेल्फ हेल्प ग्रुप द्वारा निर्मित व उत्पादित वस्तुओं को बेहतर अवसर प्रदान करता है। उन्होंने लकी ड्रा के विजेताओं के नाम की भी घोषणा की। प्रथम पुरस्कार के रूप में पटना हाईकोर्ट की सुषमा शर्मा को पांच हजार, द्वितीय पुरस्कार के रूप में आशियाना नगर की मनोरमा कुमारी को दो हजार एवं तृतीय पुरस्कार के तहत शस्त्री नगर के अजय शर्मा, सीडीए कालोनी के गौरव कुमार और राजा बाजार के वीरेन्द्र कुमार को एक एक हजार रुपये मिले। मेले में खरीददारों को एक स्टाल से प्रति 100 रुपये की खरीद पर एक कूपन दिया जा रहा है। तीन बजे इसका ड्रा होता है। इसके बाद के खरीददारों को अगले दिन के लकी ड्रा में शामिल किया जाता है।

मेले का उद्घाटन करते ग्रामीण विकास मंत्री नीतीश मिश्रा जागरण